

## नववर्ष के पारंपरिक त्योहार

### प्रलम्ब के लिये:

बैसाखी, वशि, नाबा बरसा, वैसाखड़ी और पुथांडु-परिपु तथा बोहाग बहि।

### मेन्स के लिये:

नववर्ष के पारंपरिक त्योहार।

## चर्चा में क्यों?

भारत के राष्ट्रपति ने 'चैत्र शुक्लादी, गुड़ी पड़वा, उगादी, चेटीचंड, वैसाखी, वसु, पुथांडु और बोहाग बहि' की पूर्व संध्या पर लोगों को बधाई दी है।

- वसंत ऋतु के ये त्योहार भारत में **पारंपरिक नववर्ष** की शुरुआत के प्रतीक हैं।

## नववर्ष के पारंपरिक त्योहार:

### ■ बैसाखी:

- इसे हदियों और सखियों द्वारा मनाया जाता है।
- यह हद्वि सौर नववर्ष की शुरुआत का प्रतीक है।
- यह वर्ष 1699 में गुरु गोविंद सिंह के खालसा पंथ के गठन की याद दिलाता है।
- बैसाखी के दिन औपनिवेशिक ब्रिटिश साम्राज्य के अधिकारियों ने एक सभा में जलियांवाला बाग हत्याकांड को अंजाम दिया था, यह औपनिवेशिक शासन के खिलाफ भारतीय आंदोलन की एक घटना थी।

### ■ वशि:

- यह एक हद्वि त्योहार है जो भारत के केरल राज्य, कर्नाटक में तुलु नाडु क्षेत्र, केंद्रशासित प्रदेश पुदुचेरी का माहे जिला, तमिलनाडु के पडोसी क्षेत्र में और उनके प्रवासी समुदाय द्वारा मनाया जाता है।
- यह त्योहार केरल में सौर कैलेंडर के नौवें महीने, मेदाम के पहले दिन को चहिनति करता है।
- ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार, यह हर वर्ष अप्रैल के मध्य यानी 14 या 15 अप्रैल को मनाया जाता है।

### ■ पुथांडु:

- इसे पुथुवुडम या तमिल नववर्ष के रूप में भी जाना जाता है, यह तमिल कैलेंडर में वर्ष का पहला दिन है और एक पारंपरिक त्योहार के रूप में मनाया जाता है।
- इस त्योहार की तारीख तमिल महीने चथिरिई के पहले दिन के रूप में हद्वि कैलेंडर के सौर चक्र के साथ निर्धारित की जाती है।
- इसलिये यह ग्रेगोरियन कैलेंडर में हर वर्ष 14 अप्रैल को आता है।

### ■ बोहाग बहि:

- बोहाग बहि या रौंगाली बहि, जिसे हतबहि (सात बहि) भी कहा जाता है, असम के उत्तर-पूर्वी भारत और अन्य भागों में मनाया जाने वाला एक पारंपरिक आदवासी जातीय त्योहार है।
- यह असमिया नववर्ष की शुरुआत का प्रतीक है।
- यह आमतौर पर अप्रैल के दूसरे सप्ताह में आता है, ऐतिहासिक रूप से यह फसल के समय को दर्शाता है।

### ■ नाबा बरसा

- बंगाली कैलेंडर के अनुसार, पश्चिम बंगाल में नववर्ष को नाबा बरसा उत्सव के रूप में मनाया जाता है।
- इसे पोइला बोइशाख ( Poila Baisakh) के नाम से भी जाना जाता है जिसका शाब्दिक अर्थ है पहली बैसाखी (बंगालियों के चंद्र-सौर कैलेंडर में एक महीना)।
  - बंगाली लोग इस नए साल के त्योहार को साथ मलिकर अन्य बंगाली त्योहार की तरह जोर-शोर से मनाते हैं।
- इस त्योहार को पूरे बंगाल में सभी जातियों और धर्मों के लोगो द्वारा मनाया जाता है।
- दुसरा पूजा** के बाद यह **बंगाल में दूसरा सबसे अधिक प्रचलित त्योहार** है, यह त्योहार खासकर बंगाल के उन बंगाली लोगों को जोड़ता है, जो मूल रूप से हद्वि हैं।

## यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न (PYQs):

प्रश्न. नमिनलखिति युगमों पर वचिर कीजयि: (2018)

पारंपरिक त्योहार

राज्य

- |                         |        |
|-------------------------|--------|
| 1. चापचार कुट उत्सव     | मज़ोरम |
| 2. खोंगजोम परबा गाथागीत | मणपुर  |
| 3. थांग-ता नृत्य        | सकिकमि |

उपरयुक्त युगमों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1  
(b) केवल 1 और 2  
(c) केवल 3  
(d) केवल 2 और 3

उत्तर: (b)

- चापचार कुट मज़ोरम के सबसे पुराने त्योहारों में से एक है तथा इसका एक महान सांस्कृतिक महत्त्व है।
- खोंगजोम परबा ढोलक (drum) का उपयोग करते हुए मणपुर से गाथागीत गायन की एक शैली है। इसमें वर्ष 1891 में ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ मणपुर के लोगों द्वारा वीरता से लड़े गए युद्ध की कहानियों को दर्शाया गया है।
- थांग-ता प्राचीन मणपुरी मार्शल आर्ट के लिये एक लोकप्रिय शब्द है जिसे ह्यूएन लालोंग के नाम से जाना जाता है। थांग-ता तलवार और भाला नृत्य है जहाँ 'थांग' का अर्थ है 'तलवार' और 'ता' का अर्थ है 'भाला'।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/traditional-new-year-festivals-2>

